मेट्रो -3 टनल का काम पूरा

कफ परेड से विधान भवन तक

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. सीप्ज से लेकर कुलाबा तक बनने वाले मेट्रो -3 के भूमिगत मार्ग के 13 वें चरण के कफ परेड से विधान भवन तक टनल बनाने का काम पूरा हो गया है. शुक्रवार को कफ परेड से विधान भवन तक बनने वाले भूमिगत मार्ग की खुदाई करने वाली टीबीएम मशीन सूर्या 2 सुबह 9.30 बजे अपना काम पूरा कर बाहर निकल आई. कफ परेड में बनने वाले मेट्रो स्टेशन से भूमिगत मार्ग बनाने का कार्य चल रहा था. 13 वें चरण को पूरा करने में 205 दिन का समय लगा.

1.24 किमी सुरंग बनाकर सूर्या 2 टीबीएम निकली बाहर

13वें चरण को पूरा करने में लगे 205 दिन

1 कफ परेड में खोदे गए गड्ढे से 600 मैट्रिक टन वजन वाली सूर्या 2 टीबीएम मशीन नीचे उतरी थी. इस मशीन की लंबाई 95 मीटर है. 24 घंटे में इस मशीन के जरिए 7 रिंग की खुदाई की जाती है. 13वें चरण में भूमिगत मार्ग बनाने के लिए कुल 868 रिंग का उपयोग किया गया है. भूमिगत कार्य के कारण फेज 1 में 5.89 किमी में से 2.48 किमी भूमिगत मार्ग का काम पूरा किया जा चुका है.

2 चर्चगेट रेलवे स्टेशन के बाहर मेट्रो का काम अभी भी चल रहा है. उस जगह जमीन के नीचे बड़ा पत्थर आ गया था जिसे टीबीएम के जरिए नहीं तोड़ा जा सकता था वहां पर छोटा विस्फोट कर पत्थर को तोड़ा गया. लोगों की सुरक्षा को देखते हुए विस्फोट के समय सड़क पर चलने वाले यातायात को कुछ देर के लिए रोक दिया गया था.

मीठी नदी में टनल की खुदाई जारी

धारावी और बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स के बीच भी भूमिगत मार्ग बनाने का कार्य जोरों से चल रहा है. लगभग 2 किमी लंबे इस टनल को बनाने में मीठी नदी के नीचे खुदाई करना सबसे बड़ी चुनौती है. पानी के नीचे दलदली जमीन और धारावी में झोपड़ों के नीचे तथा मैंग्रोव के नीचे खुदाई करना किसी मुसीबत से कम नहीं था. इसके लिए टनल को जमीन के भीतर 15 से 20 मीटर यानि 4 मंजिला इमारत की लंबाई जितनी गहराई में टनल बनाने का काम शुरू है. इस टनल को आस्ट्रेलिया के नए टनलिंग नियम के अनुसार बनाया जा रहा है.

मेट्रो निर्माण में लगी हैं 17 टीबीएम मशीनें

कुलाबा से सीप्ज तक मेट्रो-3 के टनल का निर्माण 2017 में शुरू किया गया था. इस टनल बनाने के कार्य में 17 टीबीएम मशीनें दिन रात काम कर रही हैं. 54 किमी लंबे इस मार्ग का 35 फीसदी भूमिगत खुदाई का काम पूरा हो चुका है. यह कार्य पूरा करने के लिए 8000 कर्मचारी लगातार मेहनत कर रहे हैं. जिन स्थानों पर सुरंग की खुदाई का काम पूरा हो गया है वहां रिंग डालकर स्टील डेकिंग का भी काम पूरा कर लिया गया है.